725

SA-05

June - Examination 2018

B.A. Pt. III Examination

नाटक तथा व्याकरण

Paper - SA-05

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answer as per the given instructions.

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $10 \times 2 = 20$

(Very Short Answer Type Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् का कथानक कहाँ से लिया गया है?

(ii) नेपथ्य का क्या अर्थ है?

(iii) कालिदास के खण्डकाव्यों के नाम लिखिए।

(iv) दुर्वासा के श्राप की कल्पना अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के किस अंक में है?

(v) इन्द्र के सारथि का क्या नाम है, जो दुष्यन्त के पास आता है?

(vi) प्रत्यय किसे कहते हैं?

(vii) सुबन्त किसे कहते हैं?

(viii) तद्धित प्रत्यय किन्हें कहा जाता है?

(ix) ''अर्थो हि कन्या परकीय'' एव यह उक्ति किसकी है?

(x) ''कर्तरि कृत्'' इस सूत्र से क्या अभिप्राय है?

Section - B $4 \times 10 = 40$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 10 marks.

(खण्ड – ब)

(लघुउत्तरात्मक प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए।

अ) या सृष्टिः स्रष्टुराद्या, वहति विधिहुतं या हविर्या च होत्री,
ये द्वे कालं विधत्तः, श्रुतिविषयगुणा या स्थिता व्याप्य विश्वम्।

यामाहुः सर्वबीजप्रकृतिरिति यया प्राणिनः प्राणवन्तः,
प्रत्यक्षाभिः प्रपन्नस्तनुभिरवतु वस्ताभिरष्टाभिरीशः।।।

ब) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तानेति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्।।।

3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के नामकरण की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

4) 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' इस पंक्ति को स्पष्ट कीजिए।

5) निम्न में से किन्ही दो सूत्रों को सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

अ) ण्वुलतृचौ

ब) कर्मण्यण्

स) भावे

द) ऋदोरप्

6) निम्न में से किन्हीं दो शब्दों की सिद्धि कीजिए–

(i) शैवः।

(ii) जनता।

(iii) प्रथिमा।

(iv) अन्नमयम्।

7) अभिज्ञानशाकुन्तलम् की रस योजना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8) प्रत्यय के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

9) मतुप् एवं इतच् प्रत्यय को सूत्र सहित स्पष्ट कीजिए।

10) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार शार्ङ्गव एवं शारद्वत का परिचय दीजिए।

Section - C $2 \times 20 = 40$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 20 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप को अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) महाकवि कालिदास के काल निर्धारण की समीक्षा कीजिए।

11) अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर दुष्यन्त का चरित्र चित्रण कीजिए।

12) अभिज्ञान शाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक को विशिष्ट क्यों कहा गया है? इस पर एक लेख लिखिए।

13) प्राचीन भारत में वर्णाश्रम व्यवस्था का वर्णन कीजिए।